Chapter 2: Bal Ram Katha- Jungle Aur Janakpur

प्रश्न-1 राजमहल से निकल कर महर्षि विश्वामित्र किस ओर बढ़े ?

उत्तर- राजमहल से निकल कर महर्षि विश्वामित्र सरयू नदी की ओर बढ़े ।

प्रश्न-2 अयोध्या नगरी सरयू नदी के किस तट पर थी ?

उत्तर- अयोध्या नगरी सरयू नदी के दक्षिणी तट पर थी ।

प्रश्न-3 चलते - चलते कब महर्षि विश्वामित्र और राजकुमारों के दृष्टि से सब कुछ ओझल हो गया ?

उत्तर - चलते – चलते एक तीखा मोड़ आया तब महर्षि विश्वामित्र और राजकुमारों के दृष्टि से सब कुछ ओझल हो गया ।

प्रश्न-4 चलते समय राम और लक्ष्मण की नज़र कहाँ थी ?

उत्तर - चलते समय राम और लक्ष्मण की नज़र महर्षि विश्वामित्र के सधे कदमो की ओर थी ।

प्रश्न-5 राजकुमारों के चेहरों पर थकान का कोई चिह्न क्यों नहीं था ?

उत्तर - दोनों राजकुमार उत्साहित थे इसीलिए उनके चेहरों पर थकान का कोई चिह्न नहीं था ।

प्रश्न-6 चिड़ियों के झुण्ड कहाँ जा रहे थे ?

उत्तर - चिड़ियों के झुण्ड अपने बसेरे की ओर लौट रहे थे ।

प्रश्न-7 आसमान का रंग कैसा हो गया था ?

उत्तर - आसमान का रंग मटमैला-लाल हो गया था ।

प्रश्न-8 महर्षि विश्वामित्र ने राम – लक्ष्मण को कौन सी विधाएँ सिखाई और उसकी क्या विशेषता थी ?

Aakash Institute

उत्तर - महर्षि विश्वामित्र ने राम – लक्ष्मण को बाला-अतिबाला नाम की विधाएँ सिखाई । इन्हें सीखने के बाद कोई उन पर प्रहार नहीं कर सकेगा । उस समय भी नहीं जब वे नींद में हों ।

प्रश्न-9 किसने किससे कहा ?

i.“हम आज रात नदी तट पर ही विश्राम करेंगे ”

महर्षि विश्वामित्र ने राम और लक्ष्मण से कहा ।

ii.“ मैं तुम दोनों को कुछ विधाएँ सिखाना चाहता हूँ ”

महर्षि विश्वामित्र ने राम से कहा ।

श्न-1 संगम की दूसरी नदी कौन सी थी?

उत्तर- संगम की दूसरी नदी गंगा थी ।

प्रश्न-2 राम – लक्ष्मण अब महर्षि विश्वामित्र के ठीक पीछे क्यों चल रहे थे?

उत्तर- राम – लक्ष्मण अब महर्षि विश्वामित्र के ठीक पीछे चल रहे थे ताकि उनकी बातें ध्यान से सुन सकें ।

प्रश्न-3 महर्षि विश्वामित्र चलते – चलते रास्ते में राम – लक्ष्मण को क्या बता रहे थे?

उत्तर - महर्षि विश्वामित्र चलते – चलते रास्ते में राम – लक्ष्मण को रास्ते में पड़ने वाले आश्रमों के बारे में, पेड़ों और वनस्पतियों के संबंध में और स्थानीय के इतिहास के बारे में बता रहे थे ।

प्रश्न-4 महर्षि विश्वामित्र राम – लक्ष्मण के साथ संगम पर बने आश्रम में क्यों रुक गए थे?

उत्तर - रात में नदी पार करना उचित नहीं था इसलिए महर्षि विश्वामित्र राम – लक्ष्मण के साथ संगम पर बने आश्रम में रुक गए थे ।

प्रश्न-5 महर्षि विश्वामित्र ने राम – लक्ष्मण के साथ गंगा कैसे पार की ?

उत्तर - महर्षि विश्वामित्र ने राम – लक्ष्मण के साथ गंगा नाव से पार की ।

Aakash Institute

प्रश्न-6 नदी पार जंगल का वर्णन कीजिए ।

उत्तर - जंगल इतना घना था कि सूरज की किरणें धरती तक नहीं पहुंचती थी । वह जंगल डरावना भी था । हर ओर से झींगुरों की आवाज़, जानवरों की दहाड़, डरावनी ध्वनियाँ थी ।

प्रश्न-7 सुंदर वन में कोई क्यों नहीं जाता था ?

उत्तर - ताड़का के डर से कोई सुंदर वन में नहीं जाता था क्योंकि जो भी आता ताड़का उसे मार डालती ।

प्रश्न-8 सुंदर वन का नाम ताड़का वन कैसे पड़ा ?

उत्तर - ताड़का का डर सुंदर वन में इतना था कि सुंदर वन का नाम ताड़का वन पड़ गया था ।

प्रश्न-9 किसने किससे कहा ?

“ ये जानवर और वनस्पतियाँ जंगल की शोभा हैं ”

महर्षि विश्वामित्र ने राम और लक्ष्मण से कहा ।

प्रश्न-10 राम – ताड़का युद्ध का वर्णन कीजिए ।

उत्तर - राम ने महर्षि की आज्ञा से धनुष पर प्रत्यंचा चढ़ाई और उसे खींचकर छोड़ा । क्रोध से बिलबिलाईताड़का राम की ओर दौड़ी और पत्थर बरसाने शुरू कर दिए । राम ने उस प र बाण चलाए । लक्ष्मण ने भीनिशाना साधा । राम का एक बाण उसके हृदय में लगा । वह गिर पड़ी और फिर नहीं उठ पाई ।

प्रश्न-11 महर्षि विश्वामित्र ने राम – लक्ष्मण को कितने अस्त्र – शस्त्र दिए ?

उत्तर - महर्षि विश्वामित्र ने राम – लक्ष्मण को सौ तरह के नए अस्त्र – शस्त्र दिए ।

प्रश्न-12 किसका बाण ताड़का के हृदय में लगा ?

उत्तर - राम का बाण ताड़का के हृदय में लगा ।

Aakash Institute

प्रश्न-1 ताड़का वन कब भयमुक्त हो गया?

उत्तर- ताड़का के मरने के बाद में ताड़का वन भयमुक्त हो गया ।

प्रश्न-2 ताड़का के मरने के बाद ताड़का वन कैसा लग रहा था?

उत्तर- ताड़का के मरने के बाद ताड़का वन बदला हुआ था । भयानक आवाज़ें गायब हो चुकी थी । पत्तों की सरसराहट का संगीत था । चिड़ियों की चहचहाहट थी । शांति थी ।

प्रश्न-3 आश्रम के लोग क्यों प्रसन्न थे?

उत्तर - आश्रम के लोग महर्षि विश्वामित्र के आश्रम लौटने से और राम – लक्ष्मण के आगमन से प्रसन्न थे ।

प्रश्न-4 महर्षि विश्वामित्र ने आश्रम की रक्षा की ज़िम्मेदारी किन्हें सौंपी?

उत्तर - महर्षि विश्वामित्र ने आश्रम की रक्षा की ज़िम्मेदारी राम और लक्ष्मण को सौंपी ।

प्रश्न-5 अनुष्ठान कितने दिनों तक ठीक ठाक चलता रहा ?

उत्तर - अनुष्ठान पाँच दिनों तक ठीक ठाक चलता रहा ।

प्रश्न-6 अनुष्ठान के अंतिम दिन क्या हुआ ?

उत्तर - सुबाहु और मारीच ने राक्षसों के दल बल के साथ आश्रम पर धावा बोल दिया ।

प्रश्न-7 मारीच क्यों क्रोधित था ?

उत्तर - मारीच यज्ञ के अलावा इस बात से क्रोधित था कि राम- लक्ष्मण ने उसकी मां को मारा था ।

प्रश्न-8 राम तथा सुबाहु- मारीच के युद्ध का वर्णन कीजिए ।

उत्तर - राम का बाण लगते ही मारीच मूर्च्छित हो गया । बाण के वेग से समुद्र के किनारे जाकर गिरा और होश आने पर वह उठ कर दक्षिण दिशा की ओर भाग गया । राम का दूसरा बाण सुबाहु को लगा और उसके प्राण वही निकल गए ।

Aakash Institute

प्रश्न-1 मिथिला के लिए उन्होनें कौन सी नदी पार की?

उत्तर- मिथिला के लिए उन्होनें सोन नदी पार की ।

प्रश्न-2 शिव धनुष को कहाँ लाया गया?

उत्तर- शिव धनुष को यज्ञशाला में लाया गया ।

प्रश्न-3 कौन-कौन लोग यज्ञशाला में उपस्थित हुए?

उत्तर - आमंत्रित लोग, मुनिऋषि और राजकुमार यज्ञशाला में उपस्थित हुए ।

प्रश्न-4 शिव धनुष का वर्णन कीजिए ।

उत्तर - शिव धनुष विशाल था । वह लोहे की पेटी में रखा हुआ था जिसमें आठ पहिये लगे हुए थे । शिव धनुष को उठाना लगभग असंभव था । पहियों के सहारे उसे खींचकर एक से दूसरी जगह ले जाया जाता था ।

प्रश्न-5 राजा जनक ने सीता के विवाह के संबंध में क्या प्रतिज्ञा की थी?

उत्तर - राजा जनक ने सीता के विवाह के संबंध में प्रतिज्ञा की थी कि जो शिव धनुष उठाकर उस पर प्रत्यंचा चढ़ा देगा उसी के साथ सीता का विवाह होगा ।

प्रश्न-6 शिव धनुष देखते ही विदेहराज एक पल के लिए क्यों उदास हो गए?

उत्तर - राजा जनक ने सीता के विवाह के संबंध में प्रतिज्ञा की थी जो शिव धनुष उठाकर उस पर प्रत्यंचा चढ़ा देगा उसी के साथ सीता का विवाह होगा । परंतु अभी तक अनेक राजकुमारों ने प्रयास किया और लज्जित हुए । उठाना तो दूर वे इसे हिला तक नहीं सके ।

प्रश्न-7 प्रश्न: किसने किससे कहा ?

“ अब हमारे लिए क्या आज्ञा है, मुनिवर ”

राम ने महर्षि विश्वामित्र से कहा ।

“ हम लोग यहाँ से मिथिला जाएंगे ”

Aakash Institute

महर्षि विश्वामित्र ने राम से कहा ।

“ ये सुंदर राजकुमार कौन हैं ”
राजा विदेहराज ने महर्षि विश्वामित्र से कहा ।

“ ये राम और लक्ष्मण हैं । महाराज दशरथ के पुत्र ।”
महर्षि विश्वामित्र ने राजा विदेहराज से कहा ।

“ शिव धनुष को यज्ञशाला में लाया जाए ”
राजा जनक ने अपने अनुचरों से कहा ।

प्रश्न-1 राम ने शिव धनुष को किस प्रकार उठाया?
उत्तर- राम ने शिव धनुष को सहज ही उठा लिया ।

प्रश्न-2 शिव धनुष राम द्वारा तोड़ने का वर्णन कीजिए ।
उत्तर- राम ने पेटी का ढक्कन खोल कर धनुष को देखा फिर गुरु का संकेत मिलते ही धनुष को सहज ही उठा लिया । जब राम ने प्रत्यंचा चढ़ाने के लिए धनुष को ऊपर से दबाकर प्रत्यंचा खींची तब दबाव से धनुष बीच से टूट गया ।

प्रश्न-3 यज्ञशाला में उपस्थित सभी लोग हतप्रभ क्यों थे?
उत्तर - राम ने शिव धनुष को सहज ही उठा लिया । यह देखकर यज्ञशाला में उपस्थित सभी लोग हतप्रभ थे ।

प्रश्न-4 यज्ञशाला में सन्नाटा क्यों छा गया?
उत्तर - जब राम ने प्रत्यंचा चढ़ाने के लिए धनुष को ऊपर से दबाकर प्रत्यंचा खींची तब दबाव से बच्चों के खिलौने की तरह धनुष के दो टुकड़े हो गए । यह देखकर यज्ञशाला में सन्नाटा छा गया ।

Aakash Institute

प्रश्न-5 बारात को मिथिला पहुंचने में कितने दिन लगे?

उत्तर - बारात को मिथिला पहुंचने में पाँच दिन लगे ।

प्रश्न-6 जनकपुरी किस प्रकार जगमगा रही थी?

उत्तर - हर मार्ग पर तोरणद्वार और घर-घर के प्रवेश द्वार पर वंदनवार लगाए गए। हर जगह फूलों की चादर बिछाई गई । एक-एक घर में मंगलगीत गाए गए। पूरी जनकपुरी जगमगा रही थी ।

प्रश्न-7 विवाह के ठीक पहले विदेहराज ने महाराज दशरथ से क्या कहा?

उत्तर - विवाह के ठीक पहले विदेहराज ने महाराज दशरथ से कहा "राजन! राम ने मेरी प्रतिज्ञा पूरी कर बड़ी बेटी सीता को अपना लिया । मेरी इच्छा है कि छोटी बेटी उर्मिला का विवाह लक्ष्मण से हो जाए । मेरे छोटे भाई कुशध्वज की दो पुत्रियाँ हैं – मांडवी और श्रुतकीर्ति । कृप्या उन्हें भरत और शत्रुघ्न के लिए स्वीकार करें ।"

प्रश्न-8 राजा जनक के छोटे भाई का क्या नाम था? उनकी पुत्रियों के नाम लिखें ।

उत्तर - राजा जनक के छोटे भाई का नाम कुशध्वज था । उनकी दो पुत्रियों के नाम हैं – मांडवी और श्रुतकीर्ति ।

प्रश्न-9 नए वर-वधुओं के नाम लिखें ।

उत्तर - नए वर-वधुओं के नाम हैं - राम और सीता, भरत और माण्डवी, लक्ष्मण और उर्मिला, शत्रुघ्न और श्रुतकीर्ति ।

प्रश्न-10 किसने किससे कहा?

" राजन ! राम ने मेरी प्रतिज्ञा पूरी कर बड़ी बेटी सीता को अपना लिया "

राजा जनक ने राजा दशरथ से कहा ।

"मुनिवर! आपकी अनुमति हो तो मैं महाराज दशरथ के पास संदेश भेजूं ।"

राजा जनक ने महर्षि विश्वामित्र से कहा ।

Aakash Institute